



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 206]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, फरवरी 26, 2004/फाल्गुन 7, 1925

No. 206]

NEW DELHI, THURSDAY, FEBRUARY 26, 2004/PHALGUNA 7, 1925

संस्कृति विभाग

(भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 26 फरवरी, 2004

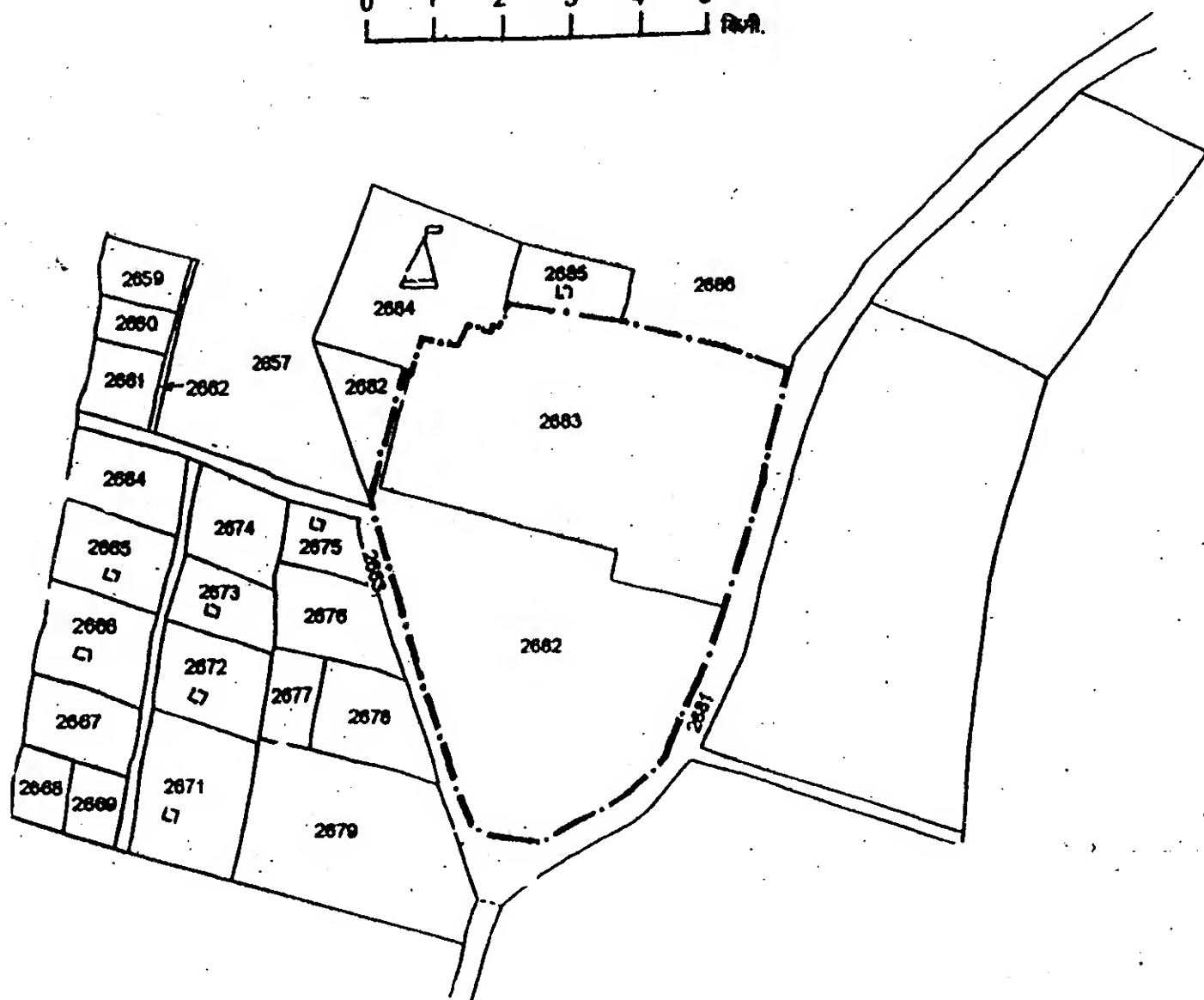
का.आ. 262(अ).— केन्द्रीय सरकार ने, भारत का राजपत्र, असाधारण, भाग II, खंड 3, उप-खंड (ii), दिनांक 20 नवम्बर, 2002 में प्रकाशित भारत सरकार के संस्कृति विभाग (भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण) की 20 नवम्बर, 2002 की अधिसूचना सं० का० आ० 1213(ई) द्वारा उक्त अधिसूचना के साथ संलग्न स्थल मानचित्र तथा अनुसूची में विनिर्दिष्ट प्राचीन संस्मारक को राष्ट्रीय महत्व का घोषित करने के अपने आशय की दो मास की सूचना दी थी और उक्त अधिसूचना की एक प्रतिलिपि उक्त संस्मारक के निकट सहज दृश्य स्थान पर चिपका दी गई थी;

और उक्त राजपत्र अधिसूचना की प्रतियां 5 दिसम्बर, 2002 को जनता को उपलब्ध करा दी गई थी;

और ऐसी घोषणा करने पर केन्द्रीय सरकार को जनता से कोई आक्षेप प्राप्त नहीं हुआ है. और विचार किया गया है।

अतः अब, केन्द्रीय सरकार प्राचीन संस्मारक तथा पुरातत्वीय स्थल एवं अवशेष अधिनियम, 1958(1958 का 24) की धारा 4 की उप धारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एतद्वारा उक्त स्थल मानचित्र तथा अनुसूची में विनिर्दिष्ट प्राचीन संस्मारक को राष्ट्रीय महत्व का घोषित करती है।

जिला-पूर्व मेदिनीपुर पश्चिम बंगाल



संरक्षण के लिए प्रस्तावित क्षेत्र : _____ . _____ . _____

अनुसूची

राज्य	जिला	उप-मण्डल स्थान	स्मारकों का नाम	संरक्षण के अंतर्गत रखित किए जाने वाले राजस्व भूखण्डों की संख्या	क्षेत्र	स्थापित्व	सीमाएं	अभ्युक्ति
पश्चिम बंगाल	पूर्व मेदिनीपुर	वामरुक	पदुम्बासन तामलुक राजबटो	2682 (भाग)	38.60 डेसीमल	श्री वीरेन्द्र	उत्तर	
				2683 (पूर्ण)	40.00 डेसीमल	नारायण राय एवं अन्य	2684 (भाग) 2685	
						—वही—	2686	
						दक्षिण	2663 (रोड)	
						पूर्व	2681 (रोड)	
						पश्चिम	2682 (भाग)	
							2657	
							2663 (रोड)	

[फा. सं. 2-14/2002-स्मा.]

आर. सी. मिश्र, अपर महानिदेशक तथा संयुक्त सचिव

DEPARTMENT OF CULTURE
(ARCHAEOLOGICAL SURVEY OF INDIA)

NOTIFICATION

New Delhi, the 26th February, 2004

S.O. 262(E).—Whereas by the notification of the Government of India in the Department of Culture (Archaeological Survey of India) number S.O. 1213(E) dated the 20th November, 2002 published in the Gazette of India Extraordinary, Part II, section 3, sub-section (ii) dated the 20th November, 2002, the Central Government gave two months' notice of its intention to declare the ancient monument specified in the Site Plan and the Schedule to the said notification to be of national importance and a copy of the said notification was affixed in a conspicuous place near the said ancient monument;

And, whereas copies of the said Gazette notification were made available to the public on the 5th December 2002;

And, whereas no objection from the public have been received to the making of such declaration and have been considered by the Central Government;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section(ii) of section 4 of the Ancient Monuments And Archaeological Sites And Remains Act, 1958(24 of 1958), the Central Government hereby declares the said ancient monument specified in the Site Plan and the Schedule annexed hereto, to be of national importance.

SCHEDULE

State	District	Sub-Division	Locality	Name of the Revenue plot monuments numbers to be included under protection	Area	Ownership	Boundaries	Remarks
-1-	-2-	-3-	-4-	-5-	-6-	-7-	-8-	-9- -10-
West Bengal	Medinipur	Tamhuk	Padum-basan	Tamhuk	38.60 Decimal	Sri Birendra	North	
				Rajbati	2682 (Part)	Narayan Roy	2684 (Part)	
					2683 (Full)	and others.	2685	
							2686	
							</	

[F. No. 2-14/2002-M]

R.C. MISRA, Addl. Director General and Jt. Secy.